Date: 17-03-2021
Event: Seven Days NSS camp
Highlight: Professor Varyam Singh **(**Retired Professor of JNU, Delhi) as a resource person educated the volunteer about the importance and scope of foreign Languages.

'जीवन में उम्मीद का दामन कभी न छोड़ें : वरयाम'

विदेशी भाषाओं का अध्ययन करियर के रूप में विषय पर चर्चा

बंजार, 17 मार्च (लक्ष्मण): एन.एस.एस. के 7 दिवसीय शिविर के तीसरे दिन जवाहर लाल विश्वविद्यालय दिल्ली से सेवानिवृत्त प्रोफैसर वरयाम सिंह ने अकादमिक सत्र में शिरकत की। इस कार्यक्रम का संचालन स्वयंसेवी ज्योतिका और अनीता ने किया। कार्यक्रम के आरंभ में प्राचार्य डा. मनदीप शर्मा ने उन्हें सम्मानित किया। इसके बाद उन्होंने विदेशी भाषाओं का अध्ययन करियर के रूप में विषय पर अपने विचार प्रकट किए। उन्होंने अपने व्याख्यान की शुरूआत अपनी प्रारंभिक शिक्षा से की। उन्होंने बताया कि किस प्रकार उन्होंने एक छोटे से क्षेत्र से संबंधित होने के बावजूद संघर्ष के माध्यम से अपने लक्ष्य को हासिल किया।

उन्होंने विद्यार्थियों से अपने अनुभव बांटते हुए कहा कि जीवन में कभी निराश नहीं होना चाहिए और उम्मीद का दामन नहीं छोड़ना चाहिए। उन्होंने कहा कि विदेशी भाषाओं का अध्ययन रोजगार दिलाने में बहुत सहायक हो सकता है। उन्होंने बच्चों को प्रेरित किया कि वे एक उचित विदेशी भाषा का चयन करके उसमें अपना करियर बना सकते हैं। उन्होंने कहा कि जवाहर लाल नेहरू विश्वविद्यालय में स्कूल ऑफ लैंग्वेज में इन भाषाओं का अध्ययन करवाया जाता है। उन्होंने कहा कि विदेशी भाषा के जानकार भारतीय विदेश सेवा, भारतीय दूतावास में अनुवादक व पर्यटक मार्गदर्शक इत्यादि में रोजगार हासिल कर सकते हैं।

उन्होंने विद्यार्थियों को जीवन में हमेशा सकारात्मक सोच के साथ आगे बढ़ने की प्रेरणा दी। इस अवसर पर एन.एस.एस. की संयोजिका सहायक आचार्य मोनिका नेगी, ज्योति बाला, विकास कुमार एवं दीप कुमार भी मौजूद रहे।

बंजार : एन.एस.एस. स्वयंसेवी सामूहिक चित्र में।